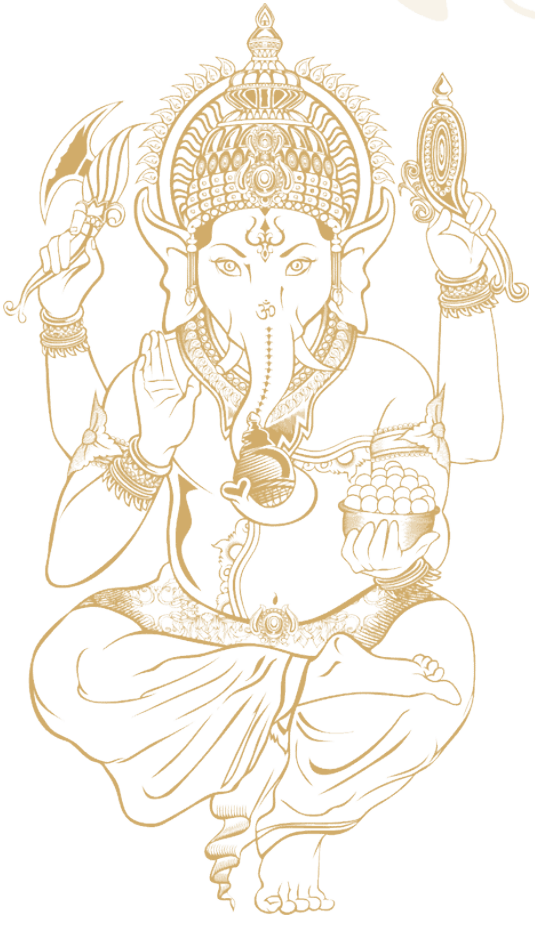

Vaibhav

Ms.shraddha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121158408

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/1992	जन्म तिथि	31/10/1992
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:36:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 28:55:59	जन्म समय(घटी)	39:44:55 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Bikaner
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:36	सूर्योदय	06:47:19
17:33:10	सूर्यास्त	17:52:50
23:45:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 4वर्ष 9मा 18दि		05:52:56	मिथु	लग्न	मिथु	25:40:58	शुक्र 0वर्ष 6मा 25दि	
सूर्य		19:53:58	वृश्चि	सूर्य	तुला	14:46:10	राहु	
24/09/2024		26:14:03	मीन	चंद्र	धनु	26:17:13	27/05/2016	
24/09/2030		03:33:42	कर्क व	मंगल	मिथु	29:05:00	28/05/2034	
सूर्य	11/01/2025	29:51:52	तुला	बुध	वृश्चि	08:19:19	राहु	07/02/2019
चन्द्र	13/07/2025	16:37:45	कन्या	गुरु	कन्या	10:34:05	गुरु	03/07/2021
मंगल	18/11/2025	02:28:42	मक	शुक्र	वृश्चि	20:45:42	शनि	09/05/2024
राहु	13/10/2026	20:07:56	मक	शनि	मक	18:15:56	बुध	26/11/2026
गुरु	01/08/2027	27:46:47	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	28:37:15	केतु	15/12/2027
शनि	13/07/2028	27:46:47	वृष व	केतु	वृष	28:37:15	शुक्र	15/12/2030
बुध	19/05/2029	22:24:44	धनु	हर्ष	धनु	20:54:47	सूर्य	08/11/2031
केतु	24/09/2029	23:38:56	धनु	नेप	धनु	22:44:15	चन्द्र	09/05/2033
शुक्र	24/09/2030	29:55:09	तुला	प्लूटो	तुला	28:32:09	मंगल	28/05/2034

लग्न-चलित

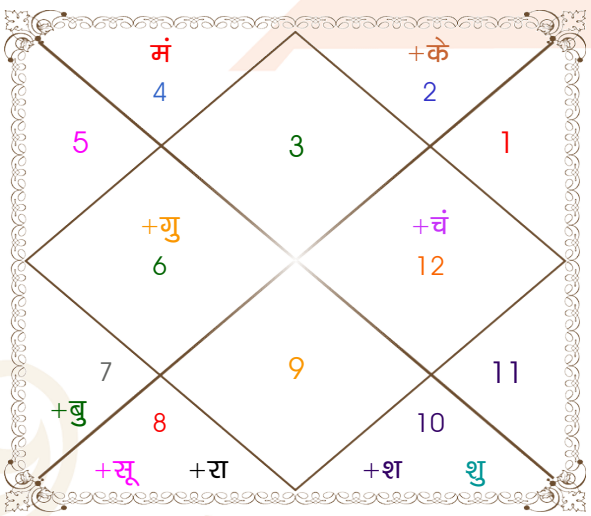

लग्न-चलित

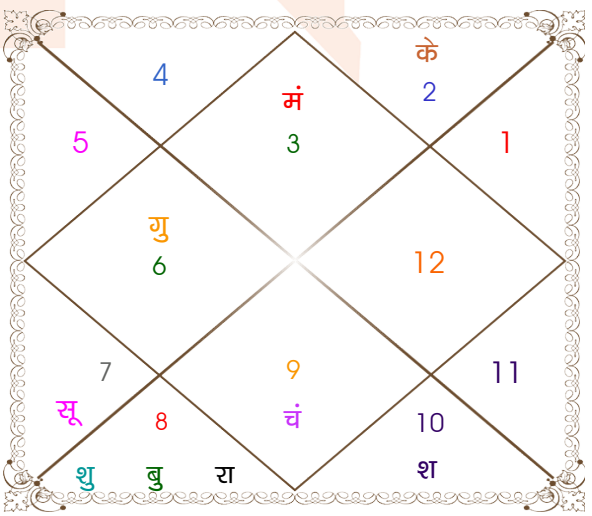

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Vaibhav का वर्ग सिंह है तथा Ms.shraddha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vaibhav और Ms.shraddha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vaibhav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.shraddha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vaibhav कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vaibhav तथा Ms.shraddha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।